







# प्रदूषण: ग्रेप-4 के लागू होने से रुका विकास कार्य

अब दिसंबर में शुरू होगा पंजाबी बाग प्लाईओवर, सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडर पर आधी से अधिक पैटिंग का कार्य पूरा

टीम एक्शन इंडिया  
नई दिल्ली: दिल्ली में ग्रेप-4 लागू होने के कारण पंजाबी प्लाईओवर से अभी वाहन चालकों को युजने के लिए एक महीना और ठहरना होगा, क्योंकि अभी प्लाईओवर का निर्माण कार्य रुका हुआ है। पंजाबी प्लाईओवर का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। प्लाईओवर पर यह भी और लाइंट लग चुकी है। सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडर पर आधी से अधिक पैटिंग का कार्य हो गया है। प्लाईओवर के पिलर पर भी रंगबिरंगी पैटिंग बना दी गई है, जो कि लोगों को अपनी आकर्षित कर रही है। यही नहीं प्लाईओवर की तरफ लगे टाल पर भी नीले रंग का करत हो गया है। बैरिंग, लाइट केनेक्शन सहित कुछ फिनिशिंग के कार्य ही शेष रह गए हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर के महीने में प्लाईओवर वाहन चालकों के



## प्लाईओवर के पिलरों की पैटिंग लोगों को लुभा रही

प्लाईओवर के नीचे कीरीबन 20 अधिक से पिलर बनाए गए हैं जिन पर पेड़ की बेहतरीन डिजाइन बनाई गई है। साथ ही इन पर पीला रंग किया गया है। जबकि पेड़ को भूरे रंग से बनाया गया है। यह डिजाइन वहाँ से युजने वाले वाहन चालकों को लुभा रही है, जिसकी वजह से लोग वीडियो भी बनाकर ले जा रहे हैं।

प्लाईओवर के यह हो चुके हैं कार्य 1.1 किलोमीटर के प्लाईओवर के दोनों तरफ सड़क का निर्माण कार्य हो चुका है। प्लाईओवर पर चढ़ते और उतरते समय दोनों तरफ की सड़कें भी बनकर तैयार हैं। प्लाईओवर पर दोनों तरफ बिजली के खंभे और लाईट लगाने का कार्य भी आधे से 3 अधिक पूरा हो चुका है। प्लाईओवर के किनारे रेलिंग लगा रखी है। डिवाइडर पर आधी से अधिक जगह पर पैटिंग हो चुकी है।

पेड़ों की गतज से एक तरफ रुक्धी दो लेन पंजाबी बाग और सोतीनार के दोनों तरफ की गतज से एक तरफ रुक्धी दो लेन

पंजाबी बाग और सोतीनार से आने वाले वाहन

लिए शुरू हो जाएगा। नए साल से मिलेगा।

पहले लोगों को यह तोहफा वेस्ट दिल्ली इंटीग्रेटेड ट्राईट

सड़क का निर्माण कार्य हो चुका है। प्लाईओवर पर चढ़ते और उतरते समय दोनों तरफ की सड़कें भी बनकर तैयार हैं। प्लाईओवर पर दोनों तरफ बिजली के खंभे और लाईट लगाने का कार्य भी आधे से 3 अधिक पूरा हो चुका है। प्लाईओवर के किनारे रेलिंग लगा रखी है। डिवाइडर पर आधी से अधिक जगह पर पैटिंग हो चुकी है।

पेड़ों की गतज से एक तरफ रुक्धी दो लेन

पंजाबी बाग और सोतीनार से आने वाले वाहन

प्लाईओवर पर जब चढ़ते तो वहाँ पर केवल दो करें ही एक साथ ऊपर चढ़ पाएंगी, क्योंकि यहाँ पर सड़क के किनारे काफी संख्या में पेड़ लगे हैं, जिसकी वजह से निर्माण कार्य में बांध आ रही ही। वन विभाग का शिकायत करने के बाद भी जगह पेड़ नहीं हटाए गए तो विभाग द्वारा तीन की जगह पर दो लेन बनाकर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया गया है। यही उतरते समय दूसरी तरफ तीन लेन बनी हुई है।

प्लाईओवर के यह हो चुके हैं कार्य

1.1 किलोमीटर के प्लाईओवर के दोनों तरफ

पंजाबी बाग और सोतीनार से आने वाले वाहन

लिए शुरू हो जाएगा। नए साल से मिलेगा।

पहले लोगों को यह तोहफा वेस्ट दिल्ली इंटीग्रेटेड ट्राईट

## डीआरआई ने कोकीन के साथ

### सदिरथ को गिरपतार किया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: राजस्व खुल्किया

निर्देशालय (डीआरआई) ने एक

बड़ी कार्रवाई में मुंबई एयरपोर्ट पर

3496 ग्राम कोकीन के साथ एक

सदिरथ को गिरपतार किया है। इस

कोकीन का अवैध बाजार में

अनुमानित मूल्य करीब 34.96

करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय ने

शनिवार को जारी बताया

कि एक राजस्व असूचना निर्देशालय (डीआरआई) ने 22 नवंबर को

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज

अंतर्राष्ट्रीय हवार्ड अड्डे पर सिपाहा

लियोन से आने वाले एक लाइब्रेरिया

के नागरिक को पकड़ा। यात्री के

टॉली बैग की जांच के दौरान

डीआरआई अधिकारियों ने पाया कि

वह असामान्य रूप से भारी था,

जिसकी गहन जांच में दो ऐक्ट

मिले, जिनमें एक सफेद पाउडर

जैसा पदार्थ था, जिसे ट्रॉली बैग के

नकली तल में बड़ी चालाकी से

छिपाया गया था। डीआरआई के

अनुसार फील्ड परिक्षणों से पुष्ट हुई

कि यह पदार्थ कोकीन था, जिसका

कुल वजन 3496 ग्राम था, जिसका

अनुमानित अवैध बाजार मूल्य करीब

34.96 करोड़ रुपये है। उस यात्री

को गिरपतार कर लिया गया है।

एजेंसी ने कहा कि अगे की जांच

जारी है। डीआरआई नवीले पदार्थों

की तस्करी के जिले को खाली

करने और हमारे नागरिकों को नशीले

पदार्थों के खतरे से सुरक्षित रखने के

लिए प्रतिबद्ध है।

संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत

# महर्षि वाल्मीकि जी

की स्मृति में

## राज्य स्तरीय समारोह

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

दिनांक - 24 नवंबर, 2024

समय - प्रातः 10 बजे

स्थान - एकलव्य स्टेडियम जींद,

हरियाणा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्लॉक ऑफ कोड स्कैन करें



### ग्रामीणों के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाएं

#### मुख्यमंत्री विवाह शुभ योजना

1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले लाभार्थियों के विवाह पर 71,000 रुपये तक का देश

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर आवास नीतीकरण योजना

घर की मरम्मत के लिए 80,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता

डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना

उच्च शिक्षा के लिए 12,000 रुपये वार्षिक तक की छात्रवृत्ति

पी.एम. यशस्वी योजना

पोस्ट मैट्रिक छात्रों को 5 से 20 हजार रुपये तक शैक्षणिक भत्ता व ट्रूप्यन फीस

मुख्यमंत्री विवाह शुभ योजना

म



# कौम हित में सीएम नायब सिंह खैनी से हर जरूरी कार्य करवाएंगे: कवलजीत

टीम एक्शन इंडिया

दलबीर मलिक

कवलजीत के मंत्री के प्रवक्ता

कवलजीत सिंह अंजराना ने कहा

कि सभ्यता द्वारा सूखे के सिखों की

हर मांग भाजपा सरकार से पूरा

करवाई जाएगी। कौम हित में जो

भी जरुरी होगा, वह कार्य सीएम

नायब सिंह सैनी से करवाया

जाएगा। वे गांव हांसला में ग्रामीणों

से रुबरू होते समय बोल रहे थे।

इस मैंके पर उनके साथ नेंद्र सिंह

गिल, गुरदीप सिंह, गुरलाल

सिंह, हरजून सिंह, जगा सिंह,

मलजीत सिंह, निरवें सिंह, मलजीत

सिंह, बलविंदर सिंह, बलिहार

सिंह, सुखिंदर सिंह, बलबीर

सिंह, रतन सिंह व परमजीत सिंह

सहित अन्य मौजूद रहे। अंजराना

ने कहा कि भाजपा सरकार सिखों

के अधिकारों का पूरा ध्यान रखती

है और अब तक भाजपा द्वारा

किए गए कार्यों से इसका प्रयोग

प्रमाण भी मिलता है। उन्होंने कहा

कि उनके द्वारा सिखों की हर मांग

को हारियाणा सरकार चाहूँचके

साथ-साथ उसे पूरा करने के लिए

के नाम पूरी की जाएगी।

अंजराना ने कहा कि भाजपा

सरकार ने अब तक सिख कौम के

लिए जो कार्य किए हैं, वह आज

तक कोई भी सरकार नहीं कर



सकी। भाजपा सरकार के शासन में ही धूमधाम से माना गया। सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा सिखत में किए गए कार्यों का उल्लंघन करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने युवराज चिल्ला साहिब सिरसा के नाम पैने १ एकड़ भूमि दी है। इसके साथ ही भाजपा के महाराजा चाहूँचक हावे के समझौता कर अनमोल तोहफा सिख कौम को दिया है। नंदर मोदी के प्रयासों की ही परिपालन है कि सिख कौम को एक बार फिर से पीएम ने अगले पांच साल के लिए इस गलियारा को खोल कर रखने के लिए पाकिस्तान सरकार से समझौता करते हुए चाहता है। इसके साथ ही भी पैरिशेष कदम उठाए हैं। ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पतशाही दसवां नाडा साहिब

## मांग

► अंजराना ने कहा कि संस्था द्वारा सूखे के सिखों की हर मांग भजपा सरकार से पूरा करवाई जाएगी।

सरकार द्वारा बड़ी ही धूमधाम से माना गया। सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा सिखत में किए गए कार्यों का उल्लंघन करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने युवराज चिल्ला साहिब सिरसा के नाम पैने १ एकड़ भूमि दी है। इसके साथ ही भाजपा के महाराजा चाहूँचक हावे के समझौता कर अनमोल तोहफा सिख कौम को दिया है। नंदर मोदी के प्रयासों की ही परिपालन है कि सिख कौम को एक बार फिर से पीएम ने अगले पांच साल के लिए 312 सिखों के नाम सुचि में से बाहर कर दिए गए हैं। ऐतिहासिक पर्व एवं जन्म दिवस

## न्यूज प्लैट

### दो नाबालिंग लड़कियां रहस्यमय परिस्थितियों में हुई लापता

टीम एक्शन इंडिया

राजकुमार प्रिंस

करनाल। करनाल एक कांलीनी और हांसी रोड की दो नाबालिंग लड़कियां सारिघ हालातों में लापता हो गई हैं। बताया जा रहा है कि दोनों लड़कियां खलू टूट के नाम पर से निकली थीं, लेकिन दूष होने की बात झूमी निकली। परिजनों को शक है कि उनकी बेटियों किसी साजिश का शिकायत हुई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जाने शुरू कर दी है। लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन शाम तक नहीं लौटी। लड़कियों ने अपने घरवालों को बताया कि कैसे गुरुद्वारा स्कूल टूट दूर जाए हैं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन शाम तक नहीं लौटी। लड़कियों ने अपने घरवालों को बताया कि कैसे गुरुद्वारा स्कूल टूट दूर जाए हैं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों के परिजनों ने आशका जताई है कि उनकी बेटियों किसी गलत संपत्ति में फंसकर घर से निकली होती थी। आपरिजनों ने लापता लड़कियों में से एक 17 वर्षीय की है। वह घर से पीला सूट पहनकर गई थी। दूसरी लड़की 18 वर्ष है और घर से सफेद रंग की स्कूल ड्रेस पहनकर निकली थी। परिजनों ने बताया कि दोनों लड़कियां सुबह 11 बजे के करीब निकली थीं, लेकिन जह देर रात तक वे घर नहीं पहुंचती तो परिजनों ने दूष होने से संपर्क किया। रकूल ने साफ किया कि ऐसी कोई दूष आपैजित नहीं किया गया था। वह सुनकर परिजन घरवारा गए और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई



## संपादकीय

## राष्ट्रीय अस्मिता, संस्कृति का संवर्द्धन आवश्यक

संविधान भारत का राजधर्म है। भारतीय संविधान सभा की अस्थिरी बैठक (26 नवंबर, 1949) में डॉक्टर आम्बेडकर के प्रस्ताव पर मतदान हुआ और संविधान पारित हो गया। संविधान ही राष्ट्र का धर्म बना। भारत में संविधान ही सर्वोत्तम सत्ता है। हम भारत के लोगों के वाक्यात्मक और विधि के सम्बन्ध समाज सही सभी मौलिक अधिकार संविधान से मिले। जन गण मन ने स्वाभाविक ही समता, समरपाली के रूपों से संपर्क किए। जन गण मन का भाग विधान संविधान है। नामिक संविधान के प्रति श्रद्धालु हैं। संविधान 26 नवंबर 1949 के दिन बनकर तैयार हुआ। कृतज्ञ राष्ट्र 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाता है। दो दिन बाद संविधान दिवस है। संविधान ही राष्ट्र जीवन का मुख्य धारक होता है। भूमि, जन और संप्रभु शासन से ही राष्ट्र नहीं बनता है और नेशन बनता है। राष्ट्र का आठार संस्कृति है। संविधान निर्माण संस्कृतिक क्षमता से परिचित थे। इसलिए संविधान की हस्तलिखित प्रति में संस्कृतिक राष्ट्रभाव वाले 23 चित्र हैं। मुख पृष्ठ पर राम और कृष्ण हैं। भाग 1 में सिन्धु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदहुड़ काल की मोहरों के चित्र और भाग 2 नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम का दिव्य चित्र है। भाग तीन वाले अधिकार वाले पृष्ठ पर श्रीमती की द्वारा विद्यालय वाले चित्र हैं। भाग 5 में महात्मा बुद्ध, भाग 6 में स्वामी महावीर और भाग 7 में सप्राट अशोक। भाग 8 में गुरु काल, भाग 9 में विक्रमादित्य, भाग 10 में नालंदा विश्वविद्यालय, भाग 11 में उड़ीसा का स्थापत्य, भाग 12 में नराराज, भाग 13 में भारीथ द्वारा गंगा अवतरण, भाग 14 में मुलाकातोंन स्थापत्य, भाग 15 में शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह, भाग 16 में महारानी लक्ष्मीबाई, भाग 17 और 18 में रामायण की दाँड़ी यात्रा व नो अखिलों दोगों में शारीर मार्च, भाग 19 में नेताजी सुभाष, भाग 20 में हिमालय, भाग 21 में रेगिस्तानी क्षेत्र व भाग 23 में लाहौरी हिन्द महासाग की चिकित्वाली आर्नदित करती है। संविधान पारण के बाद अश्वक राजेन्द्र प्रसाद ने कहा, अब सदस्यों को संविधान की प्रतियोगियों पर हस्ताक्षर करने हैं। एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है, इस पर दूसरों के चित्र एहु, दूसरी छापी हुई अंग्रेजी की तरीकी हस्तलिखित ही है। (संविधान सभा कार्यालयी खाड़ 12, पृष्ठ 4261) चित्रमय प्रति दर्शनीय है संस्कृति और इतिहास के छाप संविधान की चित्रमय प्रति से प्रेरित होते हैं। राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा के अस्थिरी भाषण (26.11.1949) में कहा, संविधान किसी बात के लिए उपबंध करे या न करे, देश का कल्पना उत्त्वाक्यों पर निर्भर करेगा, न प्राचीन परंपराको की याद दिलाते हुए कहा, कहा, कहा सभी भारतीय इस तथ्य से अपरिचित था। यह बात नहीं है कि भारत पहले संसदीय प्रक्रिया से अपरिचित था। डॉ. अम्बेडकर ने राष्ट्र शब्द पर काफी जोर दिया। अमेरिकी कथा सुनाइ, अमेरिकी प्रोटोस्टेट गिरिजाघर ने पूरे देश के लिए प्रथना प्रतिवानित की कि हे इच्छर हमारे राष्ट्र को आशार्वद दो। अमेरिकी जनता ने आपत्तियां दर्ज की।

## कहीं ऐसा न हो शुद्ध हवा भी साथ लेकर चलना पड़े



“ लगभग सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी भारतीय इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि प्रदूषित वातावरण और वस्तुएं मानव में विभिन्न घातक और प्राण लेवा वीमारियों का कारण बन सकती हैं, विभिन्न आपदाओं, परेशनियों को आमंत्रित कर सकती हैं, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं, असमय मानव सहित विभिन्न जीवों को मृत्यु के मुख्य ढंगों में ढंगेकर सकती हैं। कहने का आशय स्पष्ट है कि जब पर्यावरण और मानव एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते, सभी











